

लैंगिक परिप्रेक्ष्य से बी. एससी. बी. एड. में  
अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का  
अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल  
एम.एड.(आर.आई.ई.) उपाधि की  
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध  
2013 - 14

मार्गदर्शक  
संजय कुमार पंडागले  
सहा. प्राध्यापक, शिक्षा विभाग,  
आर.आई.ई. भोपाल

शोधार्थी  
हरेन्द्र घोरमारे  
एम.एड.(आर.आई.ई.)  
भोपाल

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी  
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान  
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद  
श्यामला हिल्स, भोपाल (म. प्र.)

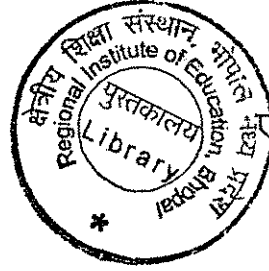
लैंगिक परिप्रेक्ष्य से बी. एससी. बी. एड. में  
अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का  
अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल  
एम.एड.(आर.आई.ई.) उपाधि की  
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध  
2013 - 14

R-417

मार्गदर्शक  
संजय कुमार पंडागले  
सहा. प्राध्यापक, शिक्षा विभाग,  
आर.आई.ई. भोपाल



शोधार्थी  
हरेन्द्र घोरमारे  
एम.एड.(आर.आई.ई.)  
भोपाल

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी  
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान  
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद  
श्यामला हिल्स, भोपाल (म. प्र.)

## प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि हरेन्द्र घोरमारे क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन. सी. ई. आर. टी.) भोपाल में एम.एड. के नियमित छात्र हैं। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से एम.एड. (आर.आई.ई.) की उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध "लैंगिक परिप्रेक्ष्य से बी. एससी. बी. एड. में अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन" मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध पूर्णतः मौलिक है, जिसे मेहनत, ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से प्राप्त किया गया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2013 - 2014 की एम. एड. उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।



स्थान - भोपाल  
दिनांक -

मार्गदर्शक  
संजय कुमार पडागले  
सहा. प्राध्यापक,  
शिक्षा विभाग,  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान  
भोपाल  
13.5.14

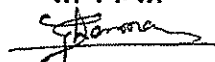
## घोषणा – पत्र

मैं हरेन्द्र घोरमारे, एम. एड. छात्र क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन. सी. ई. आर. टी.) भोपाल यह घोषणा करता हूँ कि "लैंगिक परिप्रेक्ष्य से बी. एससी. बी. एड. में अध्ययनरत छात्राओं के सहोदरों की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन" नामक विषय पर लघु शोध प्रबंध 2013 – 2014 में मेरे द्वारा संजय कुमार पंडागले, सहा. प्राध्यापक (शिक्षा विभाग) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम. एड. (आर. आई. ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस लघु शोध प्रबंध के लिए आँकड़े एवं एकत्र सूचनाएँ विश्वसनीय स्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किए गए हैं तथा यह प्रयास पूर्णतः मौलिक है, उनका उल्लेख मैंने संदर्भ ग्रंथ सूची में कर दिया है।



स्थान – भोपाल  
दिनांक – 13 - 04 - 2014

शोधकर्ता  
  
हरेन्द्र घोरमारे  
एम.एड. (आर.आई.ई.)  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,  
श्यामला हिल्स, भोपाल

## आभार – ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य प्रबंध की सफलता का श्रेय मेरे मार्गदर्शक आदरणीय संजय कुमार पंडागले, सहा. प्राध्यापक (शिक्षा विभाग) क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान भोपाल को है, जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा सदैव प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किए हैं।

मैं आदरणीय प्राचार्य प्रो. एच. के. सेनापति, शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. बी. रमेश बाबू तथा क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान भोपाल के शिक्षा विभाग के सभी प्राध्यापकों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक तथा मार्गदर्शक के रूप में पर्याप्त समय दिया है।

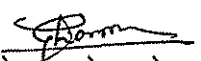
मैं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पी. के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के समस्त कर्मचारियों का हृदयपूर्वक आभारी हूँ।

मैं, मेरे सभी सहपाठियों का धन्यवाद करता हूँ। साथ ही आर. आई. ई. भोपाल के बी. एससी. बी. एड. के समस्त विद्यार्थियों का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने मुझे प्रदत्त संकलन में अपना सहयोग दिया।

मैं अपने पिताजी श्री डोमाजी घोरमारे एवं माताजी श्रीमती प्रभावती घोरमारे एवं समस्त परिवार का ऋणी रहूँगा जिन्होंने यह अध्ययन पूर्ण करने में मेरा सहयोग दिया और मनोबल बढ़ाया।

अंततः मैं उन सभी व्यक्तियों का धन्यवाद करना चाहूँगा जिन्होंने मुझे इस लघु शोध कार्य को पूर्ण करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया।

स्थान- भोपाल  
दिनांक- 13-05-2014

शोधकर्ता  
  
हरवर्द्ध घोरमारे  
एम. एड. (आर. आई. ई.)  
भोपाल

## अनुक्रमणिका

विषय—वस्तु

पृष्ठक्रमांक

घोषणा—पत्र

प्रमाण—पत्र

आभार—ज्ञापन

अध्याय प्रथम— शोध परिचय

1—12

1.1 प्रस्तावना

1.2 नारी शिक्षा पर प्रमुख दस्तावेज

1.3 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

1.4 समस्या कथन

1.5 शोध अध्ययन के उद्देश्य

1.6 तकनीकी शब्दों की परिभाषा

1.7 शोध का सीमांकन

अध्याय द्वितीय —संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

13—18

2.1 प्रस्तावना

2.2 साहित्य पुनरावलोकन का महत्व एवं योगदान

2.3 पूर्व में किये गये शोध

अध्याय तृतीय — शोध विधि तथा प्रक्रिया

19—20

3.1 भूमिका

3.2 जनसंख्या

3.3 न्यादर्श

3.4 शोध में प्रयुक्त चर

3.5 उपकरण

3.6 प्रदत्तों का संकलन

3.7 सांख्यिकीय विधियाँ

अध्याय चतुर्थ—प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

21—29

4.1 भूमिका

4.2 निष्कर्ष

अध्याय पंचम—निष्कर्ष एवं सुझाव

30—33

5.1 भूमिका

5.2 समस्या कथन

5.3 अध्ययन के उद्देश्य

5.4 शोध का सीमांकन

5.5 जनसंख्या

5.6 न्याददर्श

5.7 शोध में प्रयुक्त चर

5.8 उपकरण

5.9 समस्या के मुख्य परिणाम

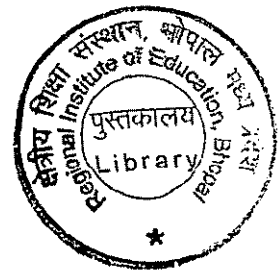
5.10 निष्कर्ष

5.11 सुझाव

5.12 भावी शोध हेतु सुझाव

संदर्भग्रंथ

परिशिष्ट



## तालिका सूची

### तालिका क्र.

- 1.1 भारत में साक्षरता का प्रमाण
- 1.2 भारत में स्त्री – पुरुष साक्षरता प्रमाण
- 1.3 स्वतंत्र भारत में साक्षरता की प्रगति
- 1.4 केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा के विकास हेतु संचालित योजनाएँ
- 1.5 संविधान द्वारा महिलाओं के लिए किए गए प्रावधान
- 3.1 छात्राओं की संख्या
- 4.1 सहोदरों की शैक्षिक स्थिति
- 4.2 बी. एससी. बी. एड. पाठ्यक्रम का इच्छानुसार चुनाव
- 4.3 पाठ्यक्रम चुनाव के प्रति अपने विचार
- 4.4 पाठ्यक्रम चुनाव संबंधी सुझाव
- 4.5 अभिभावकों के द्वारा पाठ्यक्रम चुनाव करने के संबंध में विचार
- 4.6 छात्राओं द्वारा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर संतुष्टि
- 4.7 पाठ्यक्रम चुनाव संबंधित स्वतंत्रता न देने पर इच्छानुसार पाठ्यक्रम का चुनाव
- 4.8 भाई द्वारा पाठ्यक्रम का चुनाव संबंधित दिए गए सुझाव
- 4.9 शिक्षण क्षेत्र में कार्य सुरक्षा
- 4.10 शिक्षण क्षेत्र में कार्य को, अधिक सुरक्षित मानने के कारण

